Course-8

Curriculum Development

Unit 5(e)

B.Ed. 2nd yr.

Date
Page

Aafiya Zafar

Transaction of Curriculum (पाठ्यचर्या का आयान-प्रदान)

or, Operationalizing curriculum into learning Situations :—

शिक्षा के सामान्य और विशिष्ट उद्देश्यों की पूर्ति के लिए शैक्षणिक कार्यों का संगठन किया जाता है।

I.K. Davies, के अनुसार, शिक्षा एक महान पेशा है। उनके अनुसार, शिक्षा जगत में, शिक्षण-अधिगम प्रबंधन की नई अवधारणा का जन्म हुआ।

मानव-जाति अपने साधन और स्त्रोतों को ज्यादा-से-ज्यादा प्रयोग करके अपने जीवन को बेहतर बनाने की कोशिश करता है।

अतः विशिष्ट उद्देश्यों की पूर्ति के लिए साधन और स्त्रोतों के उचित प्रयोग को ही 'संगठन' कहते हैं।

डेविस के अनुसार teacher as a manager क्योंकि वह शैक्षणिक कार्यकलापों को संगठित करता है तथा शैक्षणिक प्रक्रिया के दौरान इन कार्यकलापों का प्रदर्शन करता है।

एक शिक्षक इन कार्यों को 4 मुख्य चरणों में करता है :—

1. Planning (योजना बनाना)
2. Organising (संगठन करना)
3. Leading (नेतृत्व करना)
4. Controlling or Evaluating (नियंत्रण करना या मूल्यांकन)

इन चारों चरणों को प्रयोग करके शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को पूरा किया जा सकता है जिनका उल्लेख निम्नलिखित है :—

Scanned with CamScanner

Aafiya
Zafar.

Date
Page

(1) Planning :- कक्षा - कक्ष में जाने से पहले शिक्षक विषय - वस्तु या Topic और उसके सभी Sub-topics को क्रमागत रूप से सजाता और संगठित करता है। वह अपने शैक्षणिक उद्देश्यों को तैयार करता है। उचित शिक्षण पद्धति का चुनाव करता है। शिक्षक के पास इन सभी कार्यों की पूर्ति का ज्ञान और कौशल होना चाहिए। ताकि वह अपनी शिक्षण को प्रभावी बना सके तथा अधिगमकर्ता की समस्याओं के समाधान में मदद कर सके।

2. Organising ⇒ यह शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया के प्रबंधन का दूसरा प्रमुख चरण है। इस चरण में शिक्षक क्रियायती तथा प्रभावी अधिगम स्त्रोतों का प्रयोग करता है। शिक्षक अधिगम वातावरण और अधिगम संरचना इस प्रकार की उत्पन्न करता है कि अधिगम - उद्देश्यो की प्राप्ति हो सके। उपयुक्त TLM (Teaching-learning material), method and strategies का चुनाव करता है।

3. Leading ⇒ शिक्षक का कार्य है कि learners के कार्यों को सही दिशा-निर्देश देना। शिक्षक छात्रों के कार्यो और व्यवहारों को प्रोत्साहित करते तथा उन्हें हौसला देते हैं ताकि अधिगम - उद्देश्यो की पूर्ति हो सके। नेतृत्व करना एक व्यक्तिगत कार्य है। इस चरण का मुख्य कार्य ये है कि How a teacher motivates the students?

Scanned with CamScanner

Aafiya Zafar

Date
Page

शिक्षक को अपनी creativity, experience और imagination के द्वारा छात्रों की मदद करनी होती है। क्योंकि शिक्षक के पास सैद्धांतिक तथा व्यवहारिक दोनों ज्ञान होता है।

(4.) Controlling or Evaluating :-

नियंत्रण या मूल्यांकन, एक शिक्षक का मुख्य कर्तव्य होता है, इसके बगैर शिक्षण कार्य अधूरा है। इसके द्वारा, एक शिक्षक ये निर्णय लेता है कि शिक्षण-अधिगम लक्ष्य तथा उद्देश्यों की प्राप्ति हुई या नहीं।

अगर ऐसा नहीं है तो शिक्षक पुनरावृत्ति तथा नवीनीकरण प्रक्रियों के द्वारा शिक्षा को प्रभावी बनाते हैं और इसके बाद दोबारा शिक्षण प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हैं।

* Meaning of Transaction of Curriculum *

प्रवंचन का अर्थ होता है कि दिए गए कई विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प को चुनना ताकि हमें उद्देश्यों की प्राप्ति हो सके।

पाठ्यचर्या का भी सही प्रवंचन करने के पश्चात हमें इसके आयाम-प्रयाम में मदद मिलती है जिसे विभिन्न बिंदुओं के द्वारा समझ सकते हैं, जो निम्नांकित हैं :—

- Planning a Curriculum (पाठ्यचर्या की योजना बनाना)
- Formulating Educational objectives (शैक्षणिक उद्देश्यों को तैयार करना)

Scanned with CamScanner

Aafiya Afsar

- Organising the tasks (कार्यों को संगठित करना)
- Employing strategies & Techniques (रणनीतियों और तकनीकों का ~~विकास~~ प्रयोग)
- Selecting & Appointing Workers (उपयुक्त व्यक्ति का चुनाव)
- Executing & Co-ordinating among works (कार्य का समायोजन और क्रियान्वयन)
- Evaluating & Controlling the tasks (कार्य का मूल्यांकन तथा नियंत्रण)
- (Encouraging & Providing Feedback) (प्रोत्साहन तथा प्रतिपुष्टि)

इन्हीं चरणों के द्वारा शैक्षणिक प्रबंधन करके पाठ्यचर्या का आधान प्रदान किया जाता है ताकि शिक्षा प्रक्रिया को संपन्न किया जा सके।

B.S. Bloom के अनुसार, शिक्षा एक त्रि-आयामी प्रक्रिया है।

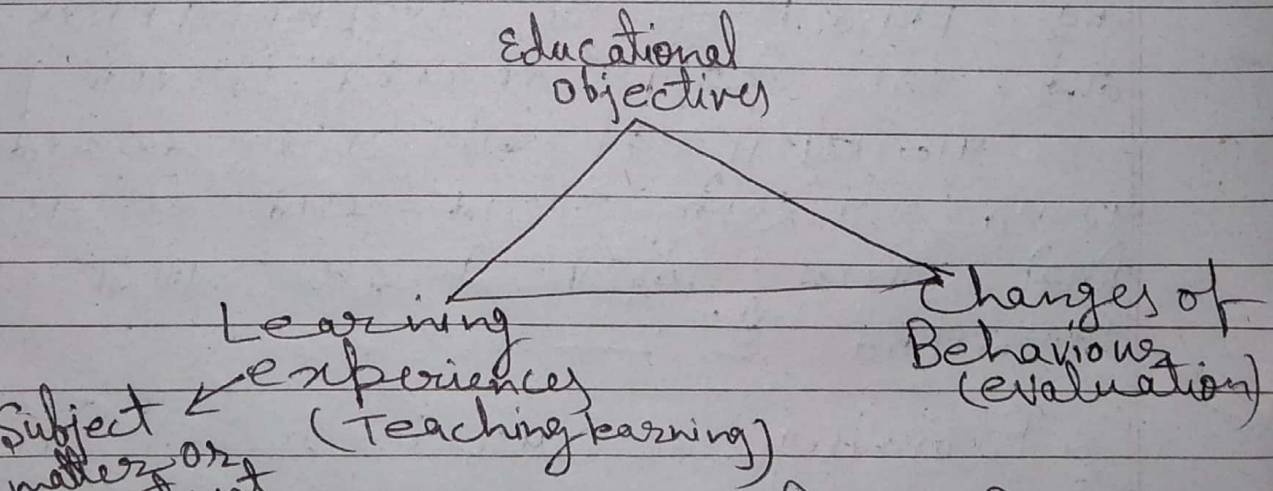

अतः यह एक चक्रीय प्रक्रिया (cyclic Process) है।

Scanned with CamScanner

Aafiya Zaffar

I.K. Davies के अनुसार शिक्षण प्रक्रिया 4 चरणों से पूर्ण होती है।

- Planing of Teaching
- Organising of Teaching
- Leading of Teaching, and
- Controlling of Teaching

अतः Curriculum Transaction, पाठ्यचर्या का Basic model है जिसपर शैक्षणिक उद्देश्य निर्भर करते हैं।

* Basis of Transaction of Curriculum

- Social philosophy of the society (समाज के सामाजिक दर्शन)
- National or State needs (राष्ट्रीय या राज्य की आवश्यकता)
- Nature of Course of study (विषय-वस्तु की प्रकृति)
- Type of examination system (परीक्षा के प्रकार)
- Form of the government (सरकार का स्वरूप)
- Theory and assumptions of human organisation (मानवीय संगठन के सिद्धांत तथा मान्यता)
- Growth & development stage of students (छात्रों के वृद्धि तथा विकास के चरण)
- Recommendations of national commissions & committies of education.

अतः यह एक विस्तृत कार्य है जो theoretical & Practical दोनों पहलुओं पर नजर रखकर पाठ्यक्रम का नियोजन करती है।

Scanned with CamScanner